बी०ए० संस्कृत चतुर्वर्षीय पाठ्यक्रम

SEMESTER	COURSE TYPE	CREDIT	CODE	COURSE TITLE	MARKS
1	MAJOR	04	BSA-24-MJ101	संस्कृत प्रबोध	100 (60+40)

COURSE OUTCOMES:

CO1: संस्कृत व्याकरण में दक्षता बढेगी।

CO2: संस्कृत सम्भाषण कौशल विकसित होगा।

CO3: संस्कृत व्याकरण की संरचना को जानेंगे।

CO4: संस्कृत कथासाहित्य को जानेंगे।

UNITS	CONTENTS	Hours
1	**वर्णोच्चारण शिक्षा** (प्रारम्भ से चतुर्थ प्रकरण पर्यन्त)	20
2	**सन्धि ज्ञान**- गुण, वृद्धि, यण्, अयादि, दीर्घ, पूर्वरूप (लघु सिद्धान्त कौमुदी)	15
3	**कारक परिचय** 1. कारक एवं विभक्तियों का सामान्य परिचय 2. सामान्य अनुवाद	15
4	**रूप स्मरण** **1.** शब्दरूप- राम, हरि, गुरु, लता, नदी, फल (सभी विभक्तियों में रूप स्मरण)। **2.** धातुरूप- पठ्, लिख्, गम् एवं खाद् (लट्, लोट्, लृट्, लङ् एवं विधिलिङ् लकार)।	15
5	**अपरीक्षितकारकम्**- प्रारम्भिक 05 कथाएँ (क्षपणक कथा से मूर्ख पण्डित कथा तक) 1. श्लोक व्याख्या, कथा सारांश एवं महत्त्व	25

संस्तुत ग्रन्थ

1. प्रारम्भिक रचनानुवादकौमुदी, विश्वविद्यालय, प्रकाशन, वाराणसी
2. लघु सिद्धान्त कौमुदी, गीता प्रेस, गोरखपुर
3. अपरीक्षितकारकम्, डा० राकेश शास्त्री, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली

बी०ए० संस्कृत चतुर्वषीय पाठ्यक्रम

SEMESTER	COURSE TYPE	CREDIT	CODE	COURSE TITLE	MARKS
1	MINOR	04	BSA-24-MI101	संस्कृत प्रवेश	100 (60+40)

COURSE OUTCOMES:

CO1: संस्कृत व्याकरण में दक्षता बढेगी।

CO2: संस्कृत सम्भाषण कौशल विकसित होगा।

CO3: संस्कृत नीतिकाव्य को जानेंगे।

CO4: संस्कृत कथा साहित्य से परिचित होंगे ।

UNITS	CONTENTS	Hours
1	**सामान्य परिचय** 1. वचन परिचय- एकवचन, द्विवचन एवं बहुवचन 2. काल परिचय- भूतकाल, वर्तमानकाल एवं भविष्यकाल 3. लकार परिचय- लट्, लङ्, लृट्, विधिलिङ् एवं लोट् लकार 4. क, ख एवं ग के आधार पर सामान्य वाक्य प्रयोग	10
2	**रूप स्मरण** 1. शब्द रूप- राम, हरि, लता, (सभी विभक्तियों में रूप स्मरण) 2. धातुरूप- पठ्, लिख्, एवं गम् (लट्, लोट्, लृट्, एवं लङ् लकार) 3. क एवं ख के आधार पर सामान्य वाक्य प्रयोग	10
3	**संज्ञा प्रकरण** (लघु सिद्धान्त कौमुदी)	15
4	**चाणक्य नीति** (प्रथम एवं द्वितीय अध्याय) 1. श्लोक व्याख्या 2. कवि परिचय	25

संस्तुत ग्रन्थ

1 प्रारम्भिक रचनानुवादकौमुदी, विश्वविद्यालय, प्रकाशन, वाराणसी

2. चाणक्य नीति, चौखम्बा प्रकाशन, नई दिल्ली

3. लघु सिद्धान्त कौमुदी, गीताप्रेस, गोरखपुर

बी०ए० संस्कृत चतुर्वषीय पाठ्यक्रम

<table>
<tr><td>SEMESTER
1</td><td>COURSE TYPE
Multi-Disciplinary Course</td><td>CREDIT
03</td><td>CODE
BSA24-MD101</td><td>COURSE TITLE
संस्कृत नीतिकाव्य</td><td>MARKS
100 (60+40)</td></tr>
<tr><td colspan="6">COURSE OUTCOMES:
CO1: इसके अध्ययन से छात्र गीता के आध्यात्मिक ज्ञान से परिचित होंगे।
CO2: संस्कृत नीतिकाव्यों को जानेंगे।
CO3: छात्रों में नैतिक मूल्य विकसित होंगे।
CO4: संस्कृत कथा साहित्य को जानेंगे।</td></tr>
<tr><td>UNITS</td><td colspan="4">CONTENTS</td><td>Hours</td></tr>
<tr><td>1</td><td colspan="4">गीता 16वाँ अध्याय
(क) श्लोक व्याख्या एवं निबन्धात्मक प्रश्न
(ख) लेखक परिचय</td><td>15</td></tr>
<tr><td>2</td><td colspan="4">विदुरनीति (21 से 50 श्लोक)
(क) श्लोक व्याख्या
(ख) कवि परिचय
(ग) निबन्धात्मक प्रश्न</td><td>15</td></tr>
<tr><td>3</td><td colspan="4">अपरीक्षितकारकम्- प्रारम्भिक 05 कथाएँ (क्षपणक कथा से मूर्ख पण्डित कथा तक)
(क) श्लोक व्याख्या, कथा सारांश एवं महत्त्व</td><td>15</td></tr>
<tr><td colspan="6">संस्तुत ग्रन्थ
1. गीता, गीता प्रेस, गोरखपुर
2. विदुर नीति, चौखम्बा प्रकाशन, नई दिल्ली
3. अपरीक्षितकारकम्, डा० राकेश शास्त्री, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली</td></tr>
</table>

बी०ए० संस्कृत चतुर्वषीय पाठ्यक्रम

SEMESTER I	COURSE TYPE Multi-Disciplinary Course	CREDIT 03	CODE BSA24-MD102	COURSE TITLE संस्कृत में विज्ञान	MARKS 100 (60+40)

COURSE OUTCOMES:

CO1: संस्कृत ग्रन्थों में निहित वैज्ञानिक विचारों से छात्र परिचित होंगे।

CO2: आयुर्वेद एवं उसके चिकित्सा पद्धति को जान सकेंगे।

CO3: प्राचीन भारतीय गणित विद्या को जान सकेंगे।

CO4: प्रचीन भारत के वनस्पति, भौतिकी एवं रसायनिक विज्ञान से छात्र परिचित होंगे।

UNITS	CONTENTS	Hours
1	**आयुर्वेद एवं वनस्पति विज्ञान** 1. आयु का लक्षण एवं आयुर्वेद का प्रयोजन (चरक संहिता के अनुसार) 2. आयुर्वेद के प्रमुख आचार्यों का सामान्य परिचय (चरक संहिता, सुश्रुत संहिता, भावप्रकाश निघण्टु एवं अष्टांग हृदय) 3. आयुर्वेद के अनुसार चिकित्सा के आठ अंग **प्राचीन भारतीय ज्ञान परम्परा में वनस्पति विज्ञान : एक सामान्य परिचय** 1. अश्वत्थ (पीपल), वट (बरगद), तुलसी, सहजन, नीम, बिल्ब (बेल), चिरायता, घृतकुमारी आदि पादपों के गुण धर्म (चरक संहिता के अनुसार)	15
2	**प्राचीन भारतीय ज्ञान परम्परा में काल गणना एवं गणित विद्या : एक सामान्य परिचय** 1. भारतीय काल गणना (कल्प, युग, मन्वन्तर, संवत्- सृष्टि संवत्, विक्रम संवत्, शक संवत्, ऋतु, मास, पञ्चांग, काष्ठा, कला, उत्तरायण, दक्षिणायन का सामान्य परिचय) 2. भारतीय गणित के प्रमुख आचार्यों का सामान्य परिचय- वररुचि, आर्यभट्ट- प्रथम, वराहमिहिर, ब्रह्मगुप्त, श्रीधर, आर्यभट्ट-द्वितीय, श्रीपति, भास्कराचार्य, भारती कृष्ण तीर्थ, महावीर आचार्य	15
3	**प्राचीन भारतीय ज्ञान परम्परा में धातु, यन्त्र एवं विमान विद्या : एक सामान्य परिचय**	08
4	**प्राचीन भारतीय ज्ञान परम्परा में रसायन एवं भौतिक विज्ञान : एक सामान्य परिचय**	07

संस्तुत ग्रन्थ

1. भारत में विज्ञान की उज्ज्वल परम्परा, सुरेश सोनी, अर्चना प्रकाशन, शिवाजी नगर, भोपाल
2. भारत वैभव, प्रो० ओ३म् प्रकाश पाण्डेय, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत
3. ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका, स्वामी दयानन्द, गोविन्दराम हासानन्द नई दिल्ली
4. चरक संहिता, चौखम्बा प्रतिष्ठान, वाराणसी

बी०ए० संस्कृत चतुर्वषीय पाठ्यक्रम

SEMESTER	COURSE TYPE	CREDIT	CODE	COURSE TITLE	MARKS
1	ABILITY ENHANCEMENT COURSE	04	BSA24-AE101	संस्कृत भाषा Sanskrit	100 (60+40)

COURSE OUTCOMES:
CO1: संस्कृत सम्भाषण कौशल विकसित होगा।
CO2: संस्कृत नीतिकाव्य को जानेंगे।
CO3: नैतिक मूल्य विकसित होंगे।
CO4: आध्यात्मिक मूल्यों को आत्मसात् करेंगे।

UNITS	CONTENTS	Hours
1	**सामान्य परिचय** 1. वर्णमाला परिचय 2. पुरुष परिचय- प्रथम पुरुष, मध्यम पुरुष, उत्तम पुरुष। 3. वचन परिचय- एकवचन, द्विवचन, बहुवचन। 4. लिङ्ग परिचय- पुंल्लिंग, स्त्रीलिंग, नपुंसकलिंग। 5. काल परिचय- वर्तमान, भूत एवं भविष्य।	15
2	**संज्ञा प्रकरण** (लघु सिद्धान्त कौमुदी)	15
3	**शब्द ज्ञान** 1. संख्याज्ञान 1-5० तक। 2. शब्दज्ञान- शरीर के अंग, भोजन वर्ग, विद्यालय वर्ग, फलवर्ग। (प्रौढ रचनानुवादकौमुदी के अनुसार)	10
4	**रूप स्मरण** 1. शब्दरूप- राम, हरि, गुरु, लता, नदी, फल (सभी विभक्तियों में रूप स्मरण)। 2. धातुरूप- पठ्, लिख्, गम् एवं खाद् (लट्, लोट्, लृट्, लङ् एवं विधिलिङ् लकार)।	05
5	**गीता 17वाँ अध्याय** 1. श्लोक व्याख्या एवं निबन्धात्मक प्रश्न	15

संस्तुत ग्रन्थ

1. प्रारम्भिक रचनानुवादकौमुदी, विश्वविद्यालय, प्रकाशन, वाराणसी
2. लघु सिद्धान्त कौमुदी, गीता प्रेस गोरखपुर
3. वर्णोच्चारण शिक्षा, रामलाल कपूर ट्रस्ट, रेवली, सोनीपत
4. प्रौढ़ रचनानुवादकौमुदी, विश्वविद्यालय, प्रकाशन, वाराणसी

बी०ए० संस्कृत चतुर्वर्षीय पाठ्यक्रम

SEMESTER	COURSE TYPE	CREDIT	CODE	COURSE TITLE	MARKS
I	Value Added	02	BSA24-VA101/301	पञ्च महायज्ञ	50 (30+20)

COURSE OUTCOMES:
CO1 छात्र यज्ञ के यथार्थ स्वरूप से परिचित होंगे।
CO2 छात्र संस्कारवान् बनेंगे तथा व्यक्तित्व विकास होगा।
CO3 छात्रों में नैतिक मूल्य विकसित होंगे।
CO4 छात्र पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक होंगे।

UNITS	CONTENTS	Hours
1	**यज्ञ का सामान्य परिचय** 1. यज्ञ का अर्थ एवं भेद 2. अनुष्ठान / पूजा का यथार्थ स्वरूप 3. यज्ञ के अधिकारी, काल, पात्र एवं सामग्री का परिचय 4. यज्ञोपवीत एवं शिखा का महत्त्व 5. यज्ञ का महत्त्व- भौतिक एवं आध्यात्मिक उन्नति, पर्यावरण शुद्धि, संगठन की भावना का विकास, त्याग की भावना का विकास	06
2	**ब्रह्मयज्ञ/सन्ध्या** 1. ब्रह्म यज्ञ का स्वरूप एवं विधि 2. ब्रह्मयज्ञ का महत्त्व- पुरुषार्थचतुष्टय की सिद्धि,, आध्यात्मिक उन्नति एवं मानव निर्माण 3. जप एवं उपासना का स्वरूप	06
3	**देवयज्ञ** 1. देवयज्ञ का स्वरूप, विधि एवं महत्त्व 2. देवता का यथार्थ स्वरूप	06
4	**पितृयज्ञ** 1. पितृ यज्ञ का स्वरूप, विधि एवं महत्त्व 2. श्राद्ध एवं तर्पण का यथार्थ एवं प्रचलित स्वरूप	06
5	**बलिवैश्वदेव एवं अतिथि यज्ञ** 1. बलिवैश्वदेव यज्ञ का स्वरूप एवं विधि 2. बलिवैश्वदेव यज्ञ का महत्त्व- जीवरक्षा एवं असमर्थों को समर्थ बनाना 3. अतिथि यज्ञ का स्वरूप, विधि एवं महत्त्व 4. अतिथि की परिभाषा	06

संस्तुत ग्रन्थ

1. पञ्चयज्ञ महाविधि, गोविन्दाराम हासानन्द, नई सडक, पुरानी दिल्ली
2. पञ्च यज्ञ प्रकाश, स्वामी समर्पणानन्द सरस्वती, स्वामी समर्पणानन्द वैदिक शोध संस्थान, मेरठ
3. ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका, स्वामी दयानन्द सरस्वती, आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट, दिल्ली

बी०ए० संस्कृत चतुर्वषीय पाठ्यक्रम

SEMESTER	COURSE TYPE	CREDIT	CODE	COURSE TITLE	MARKS
1	Skill Enhancement Course	03	BSA24-SE101	सर्वाङ्गीण स्वास्थ्य	100 (60+40)

COURSE OUTCOMES:

CO1: आयुर्वेद का महत्त्व को जानेंगे।

CO2: सुस्वास्थ्य के स्वरूप से परिचित होंगे।

CO3: विभिन्न योगासनों में कुशल होंगे।

CO4: प्राणायाम की विधि को जानने में सक्षम होंगे।

UNITS	CONTENTS	Hours
1	1. आयुर्वेद के अनुसार स्वास्थ्य का स्वरूप 2. सुस्वास्थ्य का आधार एवं उपाय 3. स्वस्थवृत्तम्, आयुर्वेद सिद्धान्त रहस्य, अध्याय 05	15
2	1. अष्टांग योग का सामान्य परिचय (योगदर्शन के अनुसार)	10
3	**प्रमुख आसन एवं सुस्वास्थ्य** 1. शीर्षासन, सर्वांगासन, हलासन, वज्रासन, पश्चिमोतानासन, मयूरासन, भुजंगासन, उत्तानपादासन, पद्मासन, सिद्धासन, ताड़ासन, सूर्य नमस्कार, गरुडासन	10
4	1. प्राण चिकित्सा- उद्गीथ, अनुलोम विलोम, कपालभाति, बाह्य कुम्भक, अन्त: कुम्भक, भ्रामरी, शीतली 2. जप एवं ध्यान का स्वरूप एवं महत्त्व	10

संस्तुत ग्रन्थ

1. आयुर्वेद सिद्धान्त रहस्य, पतञ्जलि योगपीठ, हरिद्वार
2. योगदर्शन, गीता प्रेस गोरखपुर

बी०ए० संस्कृत चतुर्वर्षीय पाठ्यक्रम

SEMESTER II	COURSE TYPE MAJOR	CREDIT 04	CODE BSA24-MJ201	COURSE TITLE सन्धि एवं कारक परिचय	MARKS 100 (60+40)

COURSE OUTCOMES:
CO1: संस्कृत सम्भाषण कौशल में निपुण होंगे।
CO2: कारकों को जानने में सक्षम होंगे।
CO3: संस्कृत व्याकरण की विविध विधाओं को जानेंगे।
CO4: सन्धि को जानने की शक्ति विकसित होगी।

UNITS	CONTENTS	Hours
1	**अच् सन्धि** (लघु सिद्धान्त कौमुदी) 1. इको यणचि से एङः पदान्तादति सूत्र पर्यन्त- व्याख्या एवं प्रयोग सिद्धि	15
1	**हल् सन्धि** (लघु सिद्धान्त कौमुदी) 1. स्तोः श्चुना श्चुः से वा पदान्तस्य सूत्र पर्यन्त- व्याख्या एवं प्रयोग सिद्धि	15
3	**विसर्ग सन्धि** (लघु सिद्धान्तकौमुदी) 1. सूत्र व्याख्या एवं प्रयोगसिद्धि	15
4	**कारक परिचय- कारके** सूत्र से **षष्ठी शेषे** सूत्र तक (संस्कृत पठन-पाठन की अनुभूत सरलतम विधि- द्वितीय भाग)	15

संस्तुत ग्रन्थ

1. लघु सिद्धान्त कौमुदी, डा० सत्यपाल सिंह, शिवालिक प्रकाशन, नई दिल्ली
2. संस्कृत पठन-पाठन की अनुभूत सरलतम विधि- द्वितीय भाग, रामलाल कपूर ट्रस्ट, रेवली, सोनीपत, हरियाणा

बी०ए० संस्कृत चतुर्वर्षीय पाठ्यक्रम

SEMESTER	COURSE TYPE	CREDIT	CODE	COURSE TITLE	MARKS
II	MINOR	04	BSA24-MI201	कारक एवं समास परिचय	100 (60+40)

COURSE OUTCOMES:
CO1: संस्कृत सम्भाषण कौशल में निपुण होंगे।
CO2: कारकों को जानने में सक्षम होंगे।
CO3: संस्कृत व्याकरण की विविध विधाओं को जानेंगे।
CO4: समास को जानने की शक्ति विकसित होगी।

UNITS	CONTENTS	Hours
1	कारक परिचय- **कारके** सूत्र से **षष्ठी शेषे** सूत्र तक (संस्कृत पठन-पाठन की अनुभूत सरलतम विधि- द्वितीय भाग के अनुसार)	30
2	समास परिचय- **समर्थः पदविधिः** सूत्र से **निष्ठा** सूत्र तक (संस्कृत पठन-पाठन की अनुभूत सरलतम विधि- द्वितीय भाग के अनुसार)	30

संस्तुत ग्रन्थ

1. संस्कृत पठन-पाठन की अनुभूत सरलतम विधि- द्वितीय भाग, रामलाल कपूर ट्रस्ट, रेवली, सोनीपत, हरियाणा

बी०ए० संस्कृत चतुर्वषीय पाठ्यक्रम

<table>
<tr><td>SEMESTER
III</td><td>COURSE TYPE
MAJOR</td><td>CREDIT
04</td><td>CODE
BSA24-MJ301</td><td>COURSE TITLE
संस्कृत व्याकरण</td><td>MARKS
100 (60+40)</td></tr>
<tr><td colspan="6">COURSE OUTCOMES:
CO1 संस्कृत के व्याकरण में दक्षता बढ़ेगी।
CO2 इससे संस्कृत की भाषा संरचना को जानेंगे।
CO3 इसके अध्ययन से संस्कृत में भावसम्प्रेषण विकसित होगा।
CO4 इससे संस्कृत भाषा में सृजनात्मक अभिव्यक्ति बढ़ेगी।</td></tr>
<tr><td>UNITS</td><td colspan="4">CONTENTS</td><td>Hours</td></tr>
<tr><td>1</td><td colspan="4">अजन्त पुँल्लिंग प्रकरण
1. राम, सर्व, हरि शब्द (लघुसिद्धान्तकौमुदी) सूत्र व्याख्या एवं प्रयोग सिद्धि</td><td>15</td></tr>
<tr><td>2</td><td colspan="4">अजन्त स्त्रीलिंग प्रकरण
1. रमा, सर्वा, मति शब्द (लघुसिद्धान्तकौमुदी) सूत्र व्याख्या एवं प्रयोग सिद्धि</td><td>15</td></tr>
<tr><td>3</td><td colspan="4">अजन्त नपुंसकलिंग प्रकरण
1. ज्ञान, वारि, दधि शब्द (लघुसिद्धान्तकौमुदी) सूत्र व्याख्या एवं प्रयोग सिद्धि</td><td>15</td></tr>
<tr><td>4</td><td colspan="4">भ्वाद्यादिगण प्रकरण
1. भ्वादिगणीय भू एवं एध् धातु (लघुसिद्धान्तकौमुदी) सूत्र व्याख्या एवं प्रयोग सिद्धि</td><td>15</td></tr>
<tr><td colspan="6">संस्तुत ग्रन्थ
1. लघु सिद्धान्तकौमुदी, व्याख्या- डा० सत्यपाल सिंह, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली
2. लघु सिद्धान्तकौमुदी, व्याख्या- गोविन्द प्रसाद शर्मा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, उत्तरप्रदेश</td></tr>
</table>

बी०ए० संस्कृत चतुर्वषीय पाठ्यक्रम

SEMESTER III	COURSE TYPE MAJOR	CREDIT 04	CODE BSA24-MJ302	COURSE TITLE संस्कृत नीति साहित्य	MARKS 100 (60+40)

COURSE OUTCOMES:
CO1 इससे छात्र संस्कृत नीति काव्यों एवं छन्दों से परिचित होंगे।
CO2 छात्र नीतिकाव्यों में वर्णित जीवनमूल्यों को जानेंगे।
CO3 संस्कृत श्लोकों एवं वाक्यों का विश्लेषण करने में समर्थ होंगे।

UNITS	CONTENTS	Hours
1	**हितोपदेश** (प्रस्तावना एवं द्वितीय कहानी श्लोक सं० 56 तक) 1. प्राक्कथन (सम्पूर्ण प्रस्तावना), अनुवाद एवं व्याख्या 2. प्रथम एवं द्वितीय कहानी (श्लोक संख्या 56 तक) अनुवाद महत्त्व व्याख्या 3. कवि परिचय	20
2	**चाणक्य नीति** (प्रथम एवं द्वितीय अध्याय) **1.** प्रथम अध्याय के श्लोकों का अनुवाद एवं व्याख्या **2.** द्वितीय अध्याय के श्लोकों का अनुवाद एवं व्याख्या **3.** कवि परिचय	10
3	**विदुरनीति** (21 से 50 श्लोक) (गीता प्रेस गोरखपुर के अनुसार) 1. विदुरनीति के श्लोकों का अनुवाद एवं व्याख्या 2. कवि परिचय	15
4	**नीतिशतकम्** (1 से 30 श्लोक) 1. नीतिशतकम् के श्लोकों का अनुवाद एवं व्याख्या 2. भर्तृहरि की सामाजिक समीक्षा, मूर्ख पद्धति	15

संस्तुत ग्रन्थ

1. हितोपदेश, पं० रामेश्वर भट्ट, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली
2. चाणक्यनीति- आचार्य चाणक्य, व्याख्या- अजय गोयल, ओरिजिनल ब्लैक क्लासिक्स, आगरा- 282002।
3. विदुरनीति, गीता प्रेस, गोरखपुर
4. नीतिशतकम्, डा० राजेश्वर शास्त्री मुसलगाँवकर, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
5. छन्दोमञ्जरी, डा० ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

बी०ए० संस्कृत चतुर्वषीय पाठ्यक्रम

SEMESTER	COURSE TYPE	CREDIT	CODE	COURSE TITLE	MARKS
III	MINOR	04	BSA24-MI301	संस्कृत नीति काव्य	100 (60+40)

COURSE OUTCOMES:
CO1 इससे छात्र संस्कृत नीति काव्यों एवं छन्दों से परिचित होंगे।
CO2 छात्र नीतिकाव्यों में वर्णित जीवनमूल्यों को जानेंगे।
CO3 संस्कृत श्लोकों एवं वाक्यों का विश्लेषण करने में समर्थ होंगे।

UNITS	CONTENTS	Hours
1	**हितोपदेश** (प्रस्तावना एवं द्वितीय कहानी श्लोक सं० 56 तक) 1. प्राक्कथन (सम्पूर्ण प्रस्तावना), अनुवाद एवं व्याख्या 2. प्रथम एवं द्वितीय कहानी (श्लोक संख्या 56 तक) अनुवाद महत्त्व व्याख्या	20
2	**चाणक्य नीति** (प्रथम एवं द्वितीय अध्याय) 1. प्रथम अध्याय के श्लोकों की व्याख्या एवं निबन्धात्मक प्रश्न 2. द्वितीय अध्याय के श्लोकों की व्याख्या एवं निबन्धात्मक प्रश्न	15
3	**विदुरनीति** (51 से 100 श्लोक) (गीता प्रेस गोरखपुर के अनुसार) 1. विदुरनीति के श्लोकों की व्याख्या एवं निबन्धात्मक प्रश्न	15
4	**प्रमुख छन्दों के लक्षण एवं उदाहरण** 1. आर्या, अनुष्टुप्, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, वंशस्थ, द्रुतविलम्बित, उपजाति, वसन्ततिलका, मालिनी, मन्दाक्रान्ता, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीडितम्, स्रग्धरा, भुजंगप्रयात, त्रोटक।	10

संस्तुत ग्रन्थ

1. हितोपदेश, पं० रामेश्वर भट्ट, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली
2. चाणक्यनीति- आचार्य चाणक्य, व्याख्या- अजय गोयल, ओरिजिनल ब्लैक क्लासिक्स, आगरा- 282002।
3. विदुरनीति, गीता प्रेस, गोरखपुर
4. छन्दोमञ्जरी, डा० ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

बी०ए० संस्कृत चतुर्वषीय पाठ्यक्रम

SEMESTER	COURSE TYPE	CREDIT	CODE	COURSE TITLE	MARKS
III	Skill Development Course	03	BSA24-SE301	संस्कृत में व्यक्तित्व विकास	100 (60+40)

COURSE OUTCOMES:

CO1 संस्कृत साहित्यगत व्यक्तित्व निर्माण के सूत्रों को जानेंगे।

CO2 जीवन में नैतिकता एवं सदाचारपूर्ण व्यवहार की महत्ता को जानेंगे।

CO3 इस पत्र से श्रेष्ठ व्यक्तित्व निर्माण की योग्यता में वृद्धि होगी।

UNITS	CONTENTS	Hours
1	**नीति साहित्य में व्यक्तित्व विकास के सूत्र** 1. व्यक्तित्व का स्वरूप एवं विविध आयाम 2. चाणक्य नीति में व्यक्तित्व विकास के सूत्र (चा०नी० 6/14-21) 3. नीतिशतकम् में व्यक्तित्व विकास के सूत्र (डा० राजेश्वर शास्त्री मुसलगाँवकर, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी के अनुसार) 7-8, 12-13, 19-23, 26, 28, 36, 42, 48, 55, 62-65, 68, 70-72, 78, 83-84, 86) 4. विदुर नीति में व्यक्तिविकास के सूत्र (प्रथम अध्याय 21-50 श्लोक)	15
2	**व्यक्तित्व विकास में संस्कारों की भूमिका** (मनुस्मृति 2/ 27-38)	08
3	**व्यक्तित्व विकास में पञ्च महायज्ञों की भूमिका** (मनुस्मृति - 2/28)	02
4	**व्यक्तित्व विकास में योग की भूमिका** 1. यम (योग सूत्र 2.30,35-39) 2. नियम (योग सूत्र 2.32,40,42-45) 3. क्रियायोग (योग सूत्र 2.1)	10
5	**वैदिक साहित्य में व्यक्तित्व विकास के सूत्र** 1. यजुर्वेद में मानसिक विकास के सूत्र (यजुर्वेद 34/1-6) 2. ऋग्वेद में संगठनात्मक विकास के सूत्र (ऋग्वेद 10/193) 3. अथर्ववेद में पारिवारिक विकास के तत्त्व (अथर्व० 3/30)	10

संस्तुत ग्रन्थ

1. नीति शतकम् - भर्तृहरि, चौखम्भा प्रकाशन, नई दिल्ली
2. पञ्च यज्ञप्रकाश - स्वामी समर्पणानन्द जी, गुरुकुल प्रभात आश्रम, भोला, मेरठ, उत्तर प्रदेश
3. चाणक्य नीति- आचार्य चाणक्य, व्याख्या- अजय गोयल, ओरिजिनल ब्लैक क्लासिक्स, आगरा- 282002
4. योगदर्शन, गीता प्रेस, गोरखपुर
5. वैदिक सूक्त संग्रह, गीताप्रेस, गोरखपुर
6. मनुस्मृति, डा० सुरेन्द्र कुमार, आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट, दिल्ली

बी०ए० संस्कृत चतुर्वषीय पाठ्यक्रम

SEMESTER	COURSE TYPE	CREDIT	CODE	COURSE TITLE	MARKS
III	Ability Enhancement Course	02	BSA24-AEC301	वैदिक गणित	50 (30+20)

COURSE OUTCOMES:
CO1 इससे छात्र वैदिक गणितज्ञों से पारिचित होंगे।
CO2 छात्र वैदिक गणित के सूत्रों को जानेंगे।
CO3 वैदिक गणित के सूत्रों से गणित समस्यों का शीघ्र समाधान करने में समर्थ होंगे।

UNITS	CONTENTS	Hours
1	**वैदिक गणित का परिचय** 1. वैदिक गणित का उद्भव एवं विकास 2. भारतीय गणित के प्रमुख आचार्य 3. वररुचि, आर्यभट्ट- प्रथम, वराहमिहिर, ब्रह्मगुप्त, श्रीधर, आर्यभट्ट-द्वितीय, श्रीपति, भास्कराचार्य, गणेशदेवज्ञ, कमलाकर, जयसिंह और सुधाकर द्विवेदी	05
2	**लीलावती** 1. परिकर्माष्टक प्रकरण श्लोक ०1 ‘लीलागल०’ से श्लोक 15 ‘आद्यं घनस्थानमथाघने’ तक	10
3	**आर्यभट्टीयम्** 1. गीतिका पाद द्वितीय सूत्र ०१ ब्रह्मकुश० से सूत्र ०५ अघनाद् तक	10
4	**वैदिक गणित** (प्रारम्भिक 10 सूत्र)	05

संस्तुत ग्रन्थ

1. गणित शास्त्र के विकास की भारतीय परम्परा, आचार्य सुद्युम्न, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली
2. लीलावती, व्याख्याकार पं० श्री लषणलाल झा, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
3. आर्यभट्टीयम्, डा० सत्यदेव शर्मा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
4. वैदिक गणित, जगद् गुरु स्वामी श्रीभारती कृष्ण तीर्थ जी महाराज, प्रकाशक : Exotic India; 8वां संस्करण (1 जनवरी 2014)

बी०ए० संस्कृत चतुर्वषीय पाठ्यक्रम

<table>
<tr><td>SEMESTER
III</td><td>COURSE TYPE
Value Added</td><td>CREDIT
02</td><td>CODE
BSA24-
VA101/301</td><td>COURSE TITLE
पञ्च महायज्ञ</td><td>MARKS
50 (30+20)</td></tr>
<tr><td colspan="6">COURSE OUTCOMES:
CO1 छात्र यज्ञ के यथार्थ स्वरूप से परिचित होंगे।
CO2 छात्र संस्कारवान् बनेंगे तथा व्यक्तित्व विकास होगा।
CO3 छात्रों में नैतिक मूल्य विकसित होंगे।
CO4 छात्र पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक होंगे।</td></tr>
<tr><td>UNITS</td><td colspan="4">CONTENTS</td><td>Hours</td></tr>
<tr><td>1</td><td colspan="4">यज्ञ का सामान्य परिचय
6. यज्ञ का अर्थ एवं भेद
7. अनुष्ठान / पूजा का यथार्थ स्वरूप
8. यज्ञ के अधिकारी, काल, पात्र एवं सामग्री का परिचय
9. यज्ञोपवीत एवं शिखा का महत्त्व
10. यज्ञ का महत्त्व- भौतिक एवं आध्यात्मिक उन्नति, पर्यावरण शुद्धि, संगठन की भावना का विकास, त्याग की भावना का विकास</td><td>06</td></tr>
<tr><td>2</td><td colspan="4">ब्रह्मयज्ञ/सन्ध्या
4. ब्रह्म यज्ञ का स्वरूप एवं विधि
5. ब्रह्मयज्ञ का महत्त्व- पुरुषार्थचतुष्टय की सिद्धि,, आध्यात्मिक उन्नति एवं मानव निर्माण
6. जप एवं उपासना का स्वरूप</td><td>06</td></tr>
<tr><td>3</td><td colspan="4">देवयज्ञ
3. देवयज्ञ का स्वरूप, विधि एवं महत्त्व
4. देवता का यथार्थ स्वरूप</td><td>06</td></tr>
<tr><td>4</td><td colspan="4">पितृयज्ञ
3. पितृ यज्ञ का स्वरूप, विधि एवं महत्त्व
4. श्राद्ध एवं तर्पण का यथार्थ एवं प्रचलित स्वरूप</td><td>06</td></tr>
<tr><td>5</td><td colspan="4">बलिवैश्वदेव एवं अतिथि यज्ञ
5. बलिवैश्वदेव यज्ञ का स्वरूप एवं विधि
6. बलिवैश्वदेव यज्ञ का महत्त्व- जीवरक्षा एवं असमर्थों को समर्थ बनाना
7. अतिथि यज्ञ का स्वरूप, विधि एवं महत्त्व
8. अतिथि की परिभाषा</td><td>06</td></tr>
<tr><td colspan="6">संस्तुत ग्रन्थ
4. पञ्चयज्ञ महाविधि, गोविन्दाराम हासानन्द, नई सडक, पुरानी दिल्ली
5. पञ्च यज्ञ प्रकाश, स्वामी समर्पणानन्द सरस्वती, स्वामी समर्पणानन्द वैदिक शोध संस्थान, मेरठ
6. ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका, स्वामी दयानन्द सरस्वती, आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट, दिल्ली</td></tr>
</table>

बी०ए० संस्कृत चतुर्वषीय पाठ्यक्रम

SEMESTER	COURSE TYPE	CREDIT	CODE	COURSE TITLE	MARKS
IV	MAJOR	04	BSA24-MJ401	समास प्रकरण	100 (60+40)

COURSE OUTCOMES:

CO1 संस्कृत व्याकरण के समास से परिचित होंगे।

CO2 संस्कृत भाषा सम्प्रेषण एवं लेखन कौशल की वृद्धि होगी।

CO3 समास के ज्ञान से साहित्य के विश्लेषण में निपुण होंगे।

UNITS	CONTENTS	Hours
1	केवल समास (लघु सिद्धान्त कौमुदी)	12
2	अव्ययीभाव समास (लघु सिद्धान्त कौमुदी)	12
3	तत्पुरुष समास (लघु सिद्धान्त कौमुदी)	12
4	बहुव्रीहि समास (लघु सिद्धान्त कौमुदी)	12
5	द्वन्द्व समास एवं समासान्त (लघु सिद्धान्त कौमुदी)	12

संस्तुत ग्रन्थ

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी, व्याख्या- डा० सत्यपाल सिंह, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली,

2. लघुसिद्धान्तकौमुदी, भैमीव्याख्या, भैमी प्रकाशन, लाजपतराय मार्केट, दिल्ली- ११०००६

बी०ए० संस्कृत चतुर्वर्षीय पाठ्यक्रम

SEMESTER	COURSE TYPE	CREDIT	CODE	COURSE TITLE	MARKS
IV	MAJOR	04	BSA24-MJ402	संस्कृत गद्यकाव्य	100 (60+40)

COURSE OUTCOMES:

CO1 इससे छात्र संस्कृत गद्यकाव्यों की विभिन्न विधाओं से परिचित होंगे।

CO2 छात्र गद्यकाव्यों में वर्णित जीवनमूल्यों को जानेंगे।

CO3 संस्कृत वाक्यों का विश्लेषण करने में समर्थ होंगे।

UNITS	CONTENTS	Hours
1	**संस्कृत गद्य काव्य का सामान्य परिचय** 1. संस्कृत गद्यकाव्य की विविध विधाएँ (विधाएँ लिखनी हैं जैसे मुक्तक, आदि) 2. संस्कृत गद्यकाव्य के प्रमुख आचार्य (दण्डी, सुबन्धु, बाणभट्ट, अम्बिकादत्त व्यास)	10
2	**शिवराजविजय प्रथम निश्वास** 1. व्याख्या एवं निबन्धात्मक प्रश्न	25
3	**शुकनासोपदेश** 1. व्याख्या एवं निबन्धात्मक प्रश्न	25

संस्तुत ग्रन्थ

1. संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास, डा० कपिल देव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. शुकनासोपदेश, प्रो० राजेश्वर प्रसाद मिश्र, अक्षय वट प्रकाशन, इलाहबाद
3. शिवराजविजयम्, डा० रमाशंकर मिश्र, चौखम्बा प्रकाशन, दिल्ली

बी०ए० संस्कृत चतुर्वषीय पाठ्यक्रम

SEMESTER	COURSE TYPE	CREDIT	CODE	COURSE TITLE	MARKS
IV	MAJOR	04	BSA24-MJ403	संस्कृत महाकाव्य	100 (60+40)

COURSE OUTCOMES:

CO1 इससे छात्र संस्कृत महाकाव्य के विभिन्न घटकों से परिचित होंगे।

CO2 छात्र महाकाव्यों में वर्णित जीवनमूल्यों को जानेंगे।

CO3 संस्कृत श्लोकों एवं वाक्यों का विश्लेषण करने में समर्थ होंगे।

UNITS	CONTENTS	Hours
1	**संस्कृत महाकाव्यों का सामान्य परिचय** 1. महाकाव्य का लक्षण (साहित्य दर्पण) 2. प्रमुख कवियों का परिचय- अश्वघोष, श्रीहर्ष, माघ, भट्टि **प्रमुख छन्दों के लक्षण एवं उदाहरण** 1. आर्या, अनुष्टुप्, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, वंशस्थ, द्रुतविलम्बित, उपजाति, वसन्ततिलका, मालिनी, मन्दाक्रान्ता, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीडितम्, भुजंगप्रयात, त्रोटक।	15
2	**रघुवंशम् 1 सर्ग (श्लोक 1-30)** 1. कवि परिचय, श्लोक व्याख्या, निबन्धात्मक प्रश्न	15
3	**किरातार्जुनीयम् 1 सर्ग (श्लोक 1-30)** 1. कवि परिचय, श्लोक व्याख्या, निबन्धात्मक प्रश्न	15
4	**दयानन्ददिग्विजयम् 1 सर्ग (1-30) श्लोक** 1. कवि परिचय, श्लोक व्याख्या, निबन्धात्मक प्रश्न	15

संस्तुत ग्रन्थ

1. साहित्यदर्पण, शालिग्राम शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
2. रघुवंशम्, डा० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
3. किरातार्जुनीयम्, श्रीबदरी नारायण मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
4. दयानन्ददिग्विजयम्, गोविन्दराम हासानन्द, नई दिल्ली

बी०ए० संस्कृत चतुर्वर्षीय पाठ्यक्रम

SEMESTER	COURSE TYPE	CREDIT	CODE	COURSE TITLE	MARKS
IV	MAJOR	04	BSA24-MJ404	भारतीय संस्कृति	100 (60+40)

COURSE OUTCOMES:
CO1 इससे छात्र संस्कृतग्रन्थों में वर्णित भारतीय संस्कृति को जानेंगे।
CO2 छात्र में सांस्कृतिक विकास होगी।
CO3 छात्र प्राचीन समाज व्यवस्था एवं दार्शनिक परम्परा से पारिचित होंगे।

UNITS	CONTENTS	Hours
1	**संस्कृति का स्वरूप** 1. संस्कृति की परिभाषा 2. संस्कृति एवं सभ्यता में अन्तर 3. भारतीय संस्कृति का आधारभूत साहित्य- वेद, धर्मशास्त्र (मनुस्मृति, याज्ञवल्क्य स्मृति), रामायण एवं महाभारत का सामान्य परिचय	10
2	**भारतीय संस्कृति के मूलभूत तत्त्व** 1. एकेश्वरवाद, आत्मतत्त्व, पुनर्जन्म, कर्म सिद्धान्त एवं विविधता में एकता 2. धर्म, यम, नियम एवं पुरुषार्थचतुष्टय 3. पञ्च महायज्ञ एवं पर्व (होलिका, श्रावणी उपाकर्म, विजयादशमी, दीपावली) 4. भारतीय काल गणना (युग, मन्वन्तर, संवत्- सृष्टि संवत्, विक्रम संवत्, शक संवत्, ऋतु, मास, पञ्चांग, उत्तरायण, दक्षिणायन का सामान्य परिचय) 5. वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना एवं राष्ट्रवाद	20
3	**समाज व्यवस्था** 1. वर्ण व्यवस्था 2. आश्रम व्यवस्था 3. शिक्षा व्यवस्था	15
4	**भारतीय संस्कृति के विविध रूप** 1. अद्वैतवाद, द्वैतवाद एवं त्रैतवाद 2. शैव, वैष्णव एवं आर्य समाज 3. चार्वाक, बौद्ध, जैन एवं सिक्ख	15

संस्तुत ग्रन्थ

1. भारतीय संस्कृति, नरेन्द्र मोहन, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
2. प्राचीन भारतीय काल गणना एवं पारम्परिक संवत्सर, डा० राम जी पाण्डेय, भारती प्रकाशन वाराणसी
3. भारतीय दर्शन की रूपरेखा, प्रो० हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी

बी०ए० संस्कृत चतुर्वर्षीय पाठ्यक्रम

SEMESTER	COURSE TYPE	CREDIT	CODE	COURSE TITLE	MARKS
IV	MINOR	04	BSA24-MI401	संस्कृत साहित्य	100 (60+40)

COURSE OUTCOMES:

CO1 इससे छात्र संस्कृत महाकाव्य के घटक तत्त्वों से परिचित होंगे।

CO2 छात्र काव्य के विविध विधों से पारिचित होंगे।

CO3 संस्कृत श्लोकों एवं वाक्यों का विश्लेषण करने में समर्थ होंगे।

CO4 तत्कालीन समाज व्यवस्था से पारिचित होंगे।

UNITS	CONTENTS	Hours
1	**संस्कृत महाकाव्य** 1. महाकाव्य का लक्षण (साहित्य दर्पण षष्ठ परिच्छेद) 2. प्रमुख महाकाव्यकारों का परिचय- अश्वघोष, भारवि, श्रीहर्ष, माघ, कालिदास **संस्कृत गद्य काव्य का सामान्य परिचय** 1. संस्कृत गद्यकाव्य की विविध विधाएँ- कथा, आख्यायिका, वृत्तगन्धोज्झित, गद्य, मुक्तक, वृत्तगन्धि (साहित्य दर्पण षष्ठ परिच्छेद) 2. संस्कृत गद्यकाव्य के प्रमुख आचार्य (दण्डी, सुबन्धु, बाणभट्ट, अम्बिकादत्त व्यास)	15
2	**रघुवंश महाकाव्य 1 सर्ग** (1-30 श्लोक) 1. कवि परिचय, व्याख्या एवं निबन्धात्मक प्रश्न	15
3	**शिवराजविजय प्रथम निश्वास** 1. परिचय-कवि एवं कृति तथा काल-निर्धारण 2. व्याकरणात्मक-विश्लेषण, अनुवाद एवं स्पष्टीकरण (व्याख्या) शिवराजविजय के प्रथम निश्वास में समाज, भाषाशैली, प्रकृतिचित्रण एवं वैशिष्ट्य	15
4	**प्रमुख अलंकारों के लक्षण एवं उदाहरण** 1. अनुप्रास, उपमा, श्लेष, उत्प्रेक्षा, रूपक, अर्थान्तरन्यास, काव्यलिंग, विभावना, विशेषोक्ति, अतिशयोक्ति	15

संस्तुत ग्रन्थ

1. साहित्यदर्पण, शालिग्राम शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
2. रघुवंशम्, डा० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
3. शिवराजविजयम्, डा० रमाशंकर मिश्र, चौखम्बा प्रकाशन, दिल्ली